

अतिथि Cयारणान कार्यक्रम

दिनांक

5.10.2021

कार्यक्रम का उद्देश्य :- 1. स्वातंत्र्य संग्राम के विचारों को

आंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।

2. पीड़ित की अपराधी को अपराध से उठाने विषय श्रमिक को समझना।

3. पीड़ित के साथ-साथ अपराधी की स्थिति पर विचार करना एवं उसे धुका के निराधार का पान न समझना है।

4. राष्ट्रीय नेतृत्व के बल से अभिमान को जगाना है।

कार्यक्रम की अवधि :- 3:00 PM - 5:50 P.M.

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता :- डा. भीमा पांडेय राष्ट्रीय सेवा एवं विचार।

मुख्यविचार देवेंद्र रायपुर, डा. अशा कुंठे राष्ट्रीय महाविद्यालय गुदियारी रायपुर।

कार्यक्रम विवरण :- कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं का परिचय विभागाध्यक्ष द्वारा देकर विभागाध्यक्ष स्वातंत्र्य संग्राम परिषद् द्वारा मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया गया।

अतिथि वक्ता द्वारा आंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर विस्तार से जानकारी दी गयी।

दूसरी अतिथि वक्ता डा. अशा कुंठे द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व की बल से श्रमिकों

पर विस्तार से चर्चा की गयी। कार्यक्रम में सन्तुष्ट भाव अतिथि

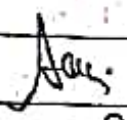
समापक आस्थापक रिडी कुंठे द्वारा किया गया। अतिथियों को स्थितिचन्द्र

प्रमाणपत्र एवं शीर्षक से सम्मानित किया गया।

परिणाम :- इस र. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राई इससे सम्मानित

हुए। कार्यक्रम में 22 छात्र-छात्राई उपस्थित हुए।


Principal
B.C.S. Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)


(डा. अनिता राजपुरिया)

डॉ.मीना पाठक प्राध्यापक, डॉ. आशा दुबे प्राध्यापक
जी के द्वारा समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

05.10.2021



पीजी कॉलेज में हुआ अतिथि व्याख्यान का आयोजन

धर्मपुरी 09 अक्टूबर (डीलक्स समाचार)।

पी.जी.एम. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. मोना पाठक, प्राध्यापक, शासकीय कला एवं वाणिज्य कान्या महाविद्यालय, देवेन्द्र नगर, रायपुर ने आहतशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य या पंडितशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य पर अपने विचार दिये।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि

जिस तरह अपराधशास्त्र में अपराधी और उसके द्वारा किये अपराध का अध्ययन होता है उसी तरह पंडित शास्त्र में पंडित एवं उनके व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। अपने वक्तव्य में उन्होंने पंडितशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य के अन्तर्गत प्रत्यक्षवादी पंडितशास्त्र, अतिवादी पंडितशास्त्र एवं विवेचित पंडितशास्त्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "पंडित की अवस्था में निष्पक्ष भूमिका नहीं होती अनेक बार पंडित अपराधी को अपराध करने



के लिए ठकसाता है, समाज में बहुधा पंडित के प्रति सत्तानुभूति तथा अपराधी में गुणा की भावना निहित होती है, परन्तु सदैव पंडित को कमजोर एवं निष्काम व्यक्ति समझना तथा अपराधी को, गरुड, मजबूत एवं आक्रमणशील मानना उचित नहीं है।

दूसरे अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. आशा दुबे, शासकीय महाविद्यालय गढ़ियारी रायपुर ने ग्रामीण नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते परिदृश्य में ग्रामीण नेतृत्व की प्रकृति में बदलाव आ रहा है। नृद्धों के मृत्यु पर युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अंकिता राजगुरुप्पा द्वारा किया गया। कार्यक्रम हेतु महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कोदेनो भीष्म द्वारा विशेष प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में रिकी कोमरे, जनभागीदारों सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र एवं विज्ञाना मल्ल के महाधिकाारी एवं छात्र-छात्राई उपस्थित थे।

अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम

23-02-2022

राज. रा. प्रथम वर्ष एवं राज. रा. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु दिनांक 23-02-2022 को प्रतिवेदन लेखन पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

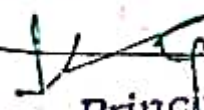
उद्देश्य :- स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर तक शोध यत्न के प्रयोग द्वारा राश्ट्र संवर्धन के सम्पादन कार्य का प्रतिवेदन लेखन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

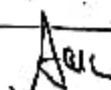
कार्यक्रम की अवधि 3:00 to 5:15 P.M.

कार्यक्रम की अतिथि वक्ता :- डा. पुनिता शर्मा सरसक प्रख्यात समाजशास्त्री एवं वासीदास शास्त्रीय स्नातकोत्तर प्राध्यापक कुल।

कार्यक्रम विवरण :- कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डा. अतिता राजपुरिया ने किया। अतिथि वक्ता ने प्रतिवेदन लेखन क्या है प्रतिवेदन कैसे लिखें प्रतिवेदन लेखन में ध्यान देने योग्य बातें आदि विषयों पर प्रकाश डाला। डॉ. अश्विनी कुमारी संगीता लाल जनजातीकरण समक प्रख्यात समाजशास्त्री द्वारा किया गया। अतिथि वक्ता को प्रीप्न एवं प्रमाण प्रदान किया गया।

परिणाम :- कार्यक्रम में राज. रा. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के 36 छात्र हजेरा उपस्थित रहे। छात्र-छात्रों ने अतिथि वक्ता से प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया।


Principal
B.C.S. Govt. M.G. College
Dhanbari (C.G.)


(डा. पुनिता राजपुरिया)

डॉ. सुनीता अग्रवाल ,सहायक प्राध्यापक गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरुद द्वारा प्रतिवेदन लेखन पर अतिथि व्याख्यान



मोसिक प्रगति करवा कायम

11.2.18
12.3.2020
13.4.2020
14.5.2020

और एक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों तथा भौतिक प्रयुक्तीकरण कार्यक्रम दिनांक 11.3.2022 को समाप्त - 12.00 से 1.00 तक सत्र समाप्त था। जिसमें कक्षा अध्यक्षन द्वारा गोमे जीर्णोद्धार कक्षा के विद्यार्थियों तथा शिक्षक के साथ उपस्थुतीकरण से ही इस प्रकार उपस्थुतीकरण से विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि बढ़ती है साथ ही छात्रों के समस्त अभिरामित देने की प्रवृत्ति विकसित होती है।

सत्र - 2021-22 में हुए उपस्थुतीकरण निम्नलिखित संक आदि का विवरण निम्नलिखित

क्र.सं.	उपनाम	वर्गीकरण	विषय	भाषा	प्रतिलिपि	योग
01	हनुमान	महाकाव्य	05	06	09	20
02	लक्ष्मण	महाकाव्य	08	09	08	25-0
03	रामायण	महाकाव्य	08	08	07	23-0
04	कालिका	महाकाव्य	05	06	09	20
05	शिव	महाकाव्य	07	04	06	15
06	विष्णु	महाकाव्य	06	10	10	26-0
07	ब्रह्मा	महाकाव्य	05	05	05	15
08	देवी	महाकाव्य	05	06	06	17
09	गंगा	महाकाव्य	04	05	07	16
10	उमा	महाकाव्य	05	09	05	19
11	लक्ष्मी	महाकाव्य	05	07	08	20
12	निशा	महाकाव्य	07	07	07	21
13	हनुमान	महाकाव्य	05	05	09	19
14	लक्ष्मण	महाकाव्य	07	07	07	18
15	रामायण	महाकाव्य	06	08	09	23-0
16	कालिका	महाकाव्य	04	05	05	14
17	शिव	महाकाव्य	05	06	07	18

लक्ष्मण उरलुतीकरा ने कुन भुवा ने लक्ष्मण
 अपराध लीफिट पर उरलुतीकरा दिया लषा आरव
 अपराध का अर्थ कारका को बताया।
 कुन लषा लीफिट ने अपराध के अर्थ को समझाया
 कुन लषा लीफिट ने अपराध के अर्थ को बताया।
 कु. लषा लीफिट ने अपराध के अर्थ को अपने
 पिता को बताया।
 विनय भुवा ने लक्ष्मण अपराध के अर्थ को
 एवं परिणाम लषा लीफिट के अपराध हेतु अपना
 उरलुतीकरा दिया।
 लक्ष्मण भुवा ने लक्ष्मण अपराध के अर्थ को
 और हमने लक्ष्मण अपराध के अर्थ को
 को लक्ष्मण हेतु व्यक्त किया।

कुछ लोग सीढ़ी, निद्रा, श्रानि, उता
 ने जनपालि की समस्त-यात्रा के बारे में वर्णन किया
 कुछ सुग्रीवों का आह, गेनेका: सुग्रीव नाभेदप से सादर
 भपराध के बाद में अपना सिद्ध व्यक्त डिरे
 काशीप जाहू ने देवेनसुन सुपराध का अर्थ
 कारण, परिणाम के बाद में वर्णन किया गया।
 अस्तुकीकरण में सुग्रीव - निपटारा
 डिलीय - निपटारी का
 लकीय - लकीय का
 गेनेका में

प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ प्राप्ति

12

Q. (अतिशय लघु प्रश्न)

(डॉ. अमिता रावगुप्ता)

उपरीका एक प्रमाणित विवरण है।

1. सुभाषी	सुभाषी	(1) सुभाषी
2. सुभाषी	सुभाषी	(2) सुभाषी
3. सुभाषी	सुभाषी	(3) सुभाषी
4. सुभाषी	सुभाषी	(4) सुभाषी
5. सुभाषी	सुभाषी	(5) सुभाषी
6. सुभाषी	सुभाषी	(6) सुभाषी
7. सुभाषी	सुभाषी	(7) सुभाषी
8. सुभाषी	सुभाषी	(8) सुभाषी
9. सुभाषी	सुभाषी	(9) सुभाषी
10. सुभाषी	सुभाषी	(10) सुभाषी
11. सुभाषी	सुभाषी	(11) सुभाषी
12. सुभाषी	सुभाषी	(12) सुभाषी
13. सुभाषी	सुभाषी	(13) सुभाषी
14. सुभाषी	सुभाषी	(14) सुभाषी
15. सुभाषी	सुभाषी	(15) सुभाषी
16. सुभाषी	सुभाषी	(16) सुभाषी
17. सुभाषी	सुभाषी	(17) सुभाषी
18. सुभाषी	सुभाषी	(18) सुभाषी
19. सुभाषी	सुभाषी	(19) सुभाषी
20. सुभाषी	सुभाषी	(20) सुभाषी
21. सुभाषी	सुभाषी	(21) सुभाषी
22. सुभाषी	सुभाषी	(22) सुभाषी
23. सुभाषी	सुभाषी	(23) सुभाषी
24. सुभाषी	सुभाषी	(24) सुभाषी
25. सुभाषी	सुभाषी	(25) सुभाषी
26. सुभाषी	सुभाषी	(26) सुभाषी
27. सुभाषी	सुभाषी	(27) सुभाषी
28. सुभाषी	सुभाषी	(28) सुभाषी
29. सुभाषी	सुभाषी	(29) सुभाषी
30. सुभाषी	सुभाषी	(30) सुभाषी

दिनांक 12/5/2022 का प्रमाणित विवरण है।

(प्रमाणित विवरण है)

दिनांक 12/5/2022 का प्रमाणित विवरण है।

प्रमाणित विवरण है।

क्र.सं.	विवरण	प्रमाणित	प्रमाणित	प्रमाणित	प्रमाणित
01	उपस्थिति	प्रमाणित	05	05	09
02	प्रमाणित	प्रमाणित	05	05	09
03	प्रमाणित	प्रमाणित	10	05	10
04	प्रमाणित	प्रमाणित	08	05	07
05	प्रमाणित	प्रमाणित	07	05	08
06	प्रमाणित	प्रमाणित	05	07	08
07	प्रमाणित	प्रमाणित	07	05	09
08	प्रमाणित	प्रमाणित	10	05	10
09	प्रमाणित	प्रमाणित	07	06	09
10	प्रमाणित	प्रमाणित	05	08	07

क्र.सं.	हस्त प्रकाश का नाम	व्यक्ति	दिनांक (०६)	वर्ष (०७)	प्रस्तावित (०८)	वोट (०९)
०१	शुद्धेश्वरी साहू	"ईशान्वत दुर्लभि का जीवन परिचय"	०४	०७	०७	२२-४
०२	डिओरवरी देवंगन	"	०७	०७	०६	२०
०३	चौद-चौदनी	उपकल्पना	०७	०७	०४	२२-४
०४	डामिन साहू	"	०७	०७	०३	२१
०५	जयंत कुमार	"	०७	०६	०७	२०

कक्षा प्रस्तुतीकरण में कुं मुणित। कुं नेहा, ओमण कुमार ने अवशोषण पहलु का कार्य शिक्षकगणों से उपयोग के बारे में व्याख्या की।

मनीष कुमार साहू, ललसी एवं कुं आर्कड़ा ने व्यक्तिगत अवशोषण पहलु के बारे में कार्य परिचय, उपयोग का वर्णन दिये। कुं ज्योति साहू, यामिनी बाबु, चौद-चौदनी, डामिन साहू, जयंत कुमार ने उपकल्पना के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किये। कुं कुं भागमणि ने ईशान्वत दुर्लभि का आत्महत्या के सिद्धांत को बताया। शुद्धेश्वरी साहू ने उत्तम के जीवन परिचय के अन्तर्गत तथा कक्षा प्रस्तुतीकरण में उपम स्थापना प्राप्त विद्यार्थी - कुं आर्कड़ा एवं द्वितीय स्थान - कुं कुमुदमता तथा तृतीय स्थान - नेहा, कुलेश्वरी, चौद-चौदनी हैं।

उपस्थित विद्यार्थियों के प्रकाश

- | | |
|--------------------|------------|
| ०१. दिना नारायण | दिना |
| ०२. आर्कड़ा | आर्कड़ा |
| ०३. डिओरवरी देवंगन | डिओरवरी |
| ०४. मिता पटेल | मिता पटेल |
| ०५. जयंत कुमार | जयंत कुमार |
| ०६. कुलेश्वरी साहू | कुलेश्वरी |
| ०७. यामिनी | यामिनी |
| ०८. यामिनी शिखा | यामिनी |
| ०९. योनिता कुं | योनिता |
| १०. ज्योति | ज्योति |
| ११. ललसी | ललसी |
| १२. मनीष | मनीष |
| १३. डैमन | डैमन |
| १४. विजय कुमार | विजय कुमार |
| १५. पद्मिनी | पद्मिनी |
| १६. दीपिका साहू | दीपिका |
| १७. यामिनी | यामिनी |
| १८. जय चंदनी | जय चंदनी |
| १९. डामिन साहू | डामिन साहू |
| २०. शिखा | शिखा |
| २१. कुमुदमता | कुमुदमता |

Jan
(Dr. Anshu Kishore)

Dr. Anshu Kishore
(अतिथि व्याख्यान)

दिनांक-14.5.2020
समय-12.00 बजे
र. मठ
डा. र. व. वि. प. मठ

दिनांक 14/3/2022 को समाप्त

विभाग में पीएच.एम. वर्ष कक्षा प्रस्तुतीकरण अत्रागिण
दिया गया। छत्र/छात्रों ने विभिन्न बोझु स्पीचों
पर प्रस्तुतीकरण दिया। समय :- 2:00 से 2:40, 3:20 से
4:00 और लड़ कक्षा गया।

क्र.सं.	नाम	वर्ग	विषय	प्रश्न	उत्तर	अंक
०१	डॉ. लोमेश्वरी	"स्वातंत्र्य"	०१	०१	१०	२०.०
०२	मोहिनी खाडू	"॥"	०२	०१	१०	२०
०३	कुसुम	"अनुदाय"	०३	१०	१०	२०.०
०४	गीतांजली	"॥"	०४	१०	१०	२०.०
०५	बालकृष्ण (गोमंत)	"स्वातंत्र्य"	०५	१०	१०	२०.०
०६	सुवर्णा लिंग	"॥"	०६	१०	१०	२०
०७	जयदेव व्योम	"स्वातंत्र्य"	०७	०६	१०	२०
०८	जोसेफ पुगार	"॥"	०८	०६	०९	२०
०९	पद्मिनी खाडू	"॥"	०९	१०	०३	२३
१०	बेणुका खाडू	"वर्ग स्वातंत्र्य"	१०	०७	१०	२१

11	कदम्बीव साहू	दक्षित भागिनी	०५	०२	०९	२०
12	काशीनी बाबुर	"	०५	०२	१०	२१
13	कापल्ली	पतनिष्कषा	०५	०९	०८	२१
14	डीनू पेटेल	अलुंनत परिहार	०५	०९	०९	२२
15	कीठा	परिहार	०५	०९	०९	२३

इस प्रकार उल्टा में कुछ समेश्वरी, भोवनी
ने प्रभावशाली का परिवार, प्रभा के बारे में प्रभावशाली
कुछ प्रभाव, एवं कुछ गीताप्रभा ने "समुदाय" के अर्थ,
ने परिवारा, विविधताओं को व्यक्त किया। वादूल कुमार
मुवराज सिंह ने समिति का कार्य, प्रकार, विविधता
पर अपना विचार व्यक्त किया।
हमारी अध्यक्ष, जेम्स कुमार, वैभव साहू ने सामाजिक
के बारे में बताया। कुछ ने कहा ने "वर्षा व्यवस्था"
के बारे में अपने विचार व्यक्त किया।
वर्षाप्रभा साहू, जालिनी कुमार ने "पक्षि जातियों"
के बारे में अपने विचारों को व्यक्त किया।
कुछ प्रभावशाली ने जाति व्यवस्था को बताया एवं
वर्षाप्रभा साहू ने "समुदाय परिवार" बताया कुछ गीता
ने "परिवार" के बारे में अपने विचार व्यक्त
किया।
इस प्रकार उल्टा में प्रथम :- राहुल कुमार

द्वितीय - कु. सुतुम, पीताम्बरी एवं
तृतीय - कु. ताम्बेराई ई।

BA - Dept of Justice

(C) 1980 by McGraw-Hill

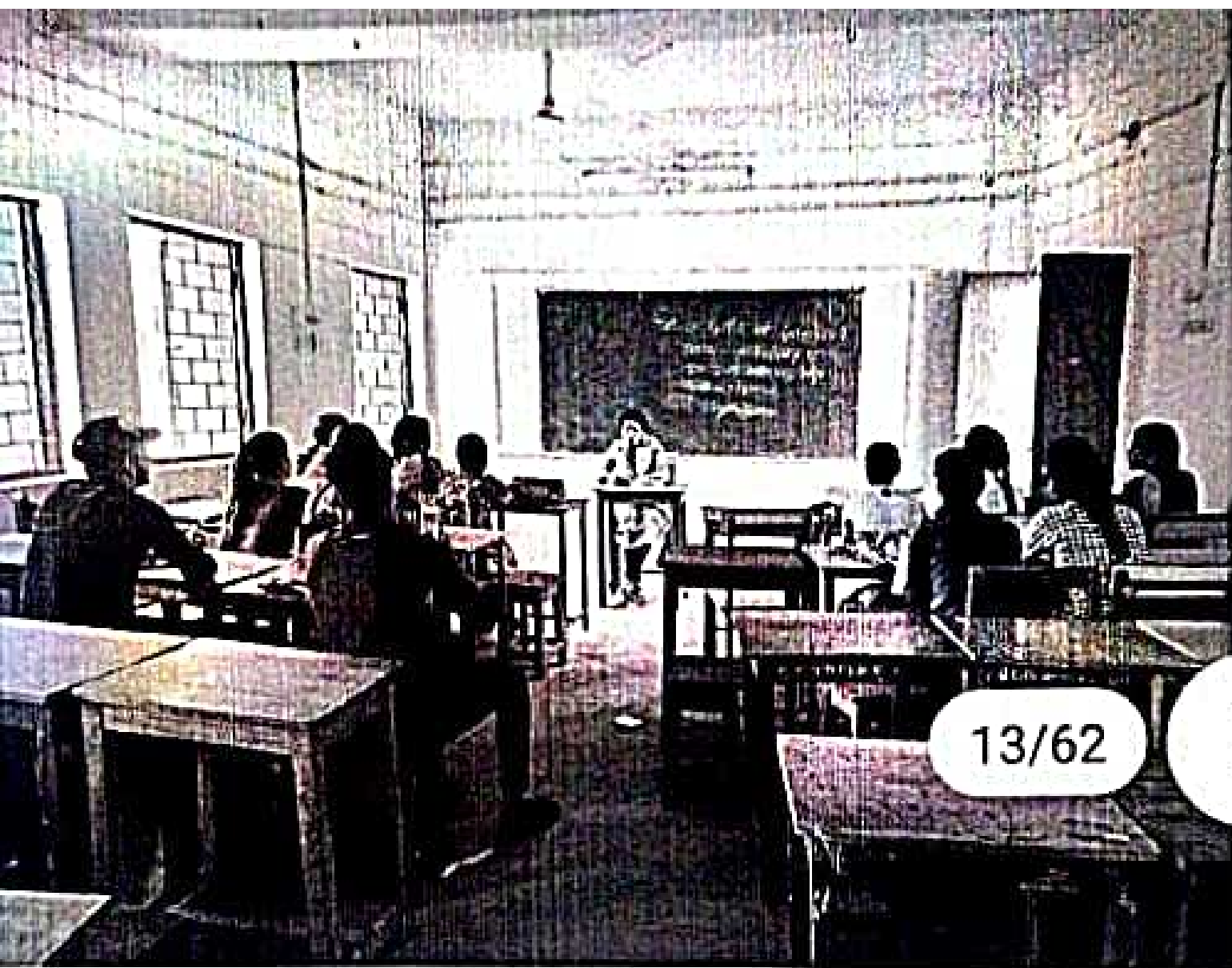
उपनिषद् विधायिनी के हस्ताक्षर

ध	बाबा जल पटेल	माताजी पटेल
01	गीत पटेल	गीत पटेल
02	गीति	गीति साहू
03	गीति	गीति साहू
04	गीति	गीति साहू
05	गीति	गीति साहू
06	गीति	गीति साहू
07	गीति	गीति साहू
08	गीति	गीति साहू
09	गीति	गीति साहू
10	गीति	गीति साहू
11	गीति	गीति साहू
12	गीति	गीति साहू
13	गीति	गीति साहू
14	गीति	गीति साहू
15	गीति	गीति साहू
16	गीति	गीति साहू
17	गीति	गीति साहू
18	गीति	गीति साहू
19	गीति	गीति साहू
20	गीति	गीति साहू
21	गीति	गीति साहू
22	गीति	गीति साहू
23	गीति	गीति साहू
24	गीति	गीति साहू
25	गीति	गीति साहू
26	गीति	गीति साहू
27	गीति	गीति साहू
28	गीति	गीति साहू
29	गीति	गीति साहू
30	गीति	गीति साहू
31	गीति	गीति साहू

32	Punam Sahai	Punam
33	Punam Sahai	Punam
34	Punam Sahai	Punam
35	Punam Sahai	Punam
36	Punam Sahai	Punam
37	Punam Sahai	Punam
38	Punam Sahai	Punam
39	Punam Sahai	Punam
40	Punam Sahai	Punam
41	Punam Sahai	Punam
42	Punam Sahai	Punam

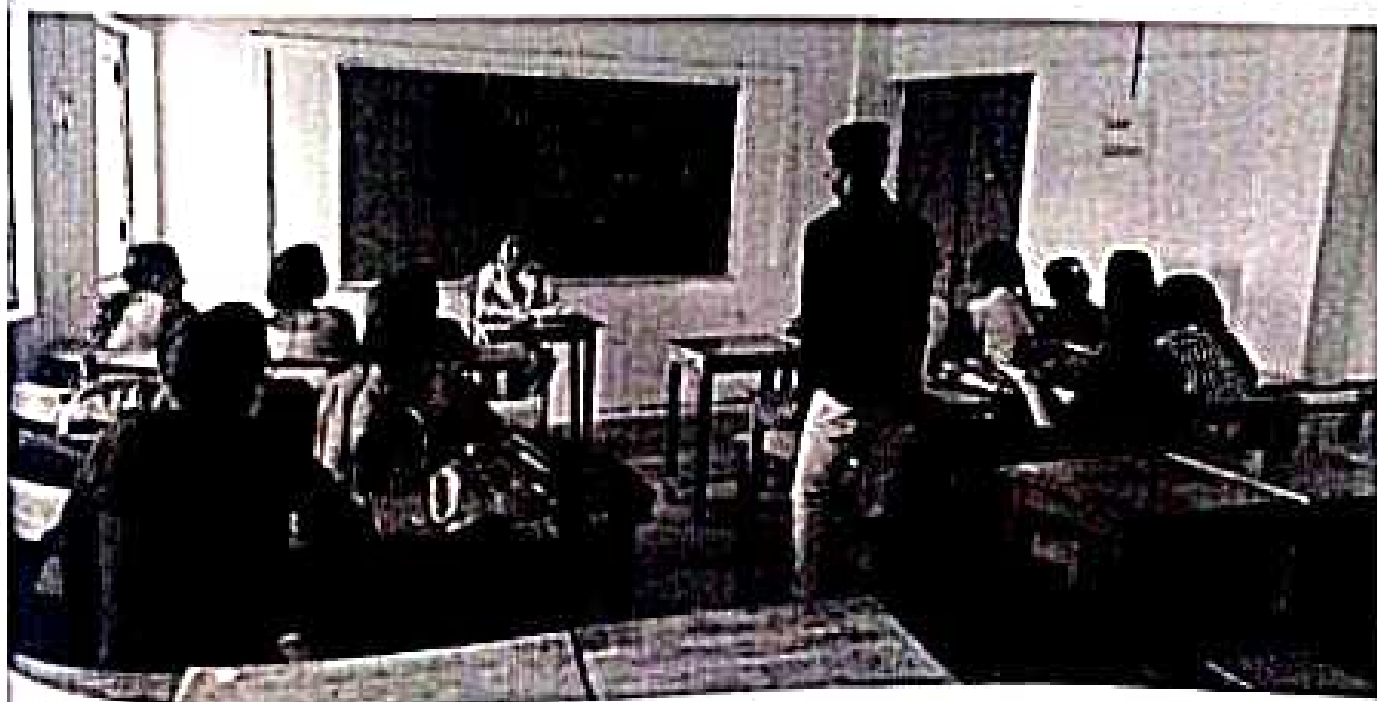
Ja
(b. 1911)





13/62

J. K. G.
Principal
B.C.S. Govt. P.G. College
Dhanituri (C.G.)



B.C.S. Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)